Academic Session
2025-26

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया

JANANAYAK CHANDRASHEKHAR UNIVERSITY, BALLIA

प्रवेश विवरणिका

ADMISSION PROSPECTUS

सत्र - 2025-26

आनंदीबेन पटेल
श्रीमती रजनी तिवारी,
मा० राज्य मंत्री, उच्च शिक्षा विभाग,
उ०प्र० सरकार, लखनऊ
एस०एल०पाल
कुलसचिव

षष्ठ दीक्षान्त समारोह
जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया
24 सितम्बर, 2024
वसुधैव कुटुम्बकम्
ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

कुलपति की कलम से

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय अपने आरंभ के साथ ही विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की शिक्षा प्रदान करने के लिये प्रतिबद्ध है। विश्वविद्यालय का कार्य शिक्षण, प्रशिक्षण, अनुसंधान के साथ ही सामाजिक विकास के कार्यक्रमों में समाज के साथ मिलकर कार्य करना भी है। यह सुखद है कि इस सम्बन्ध में जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति कर रहा है। शोध कार्य को बढ़ावा देने के लिये अभी हाल ही में प्री– पीएच0 डी0 में परीक्षा पूरी हुई है। विश्वविद्यालय अपने स्थापना काल से ही विद्यार्थियों के लिये उपयोगी, रोजगारपक पाठ्यक्रमों के संचालन पर बल देता रहा है। पूर्व से ही ऐसे कई व्यावसायिक पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैं और इस वर्ष ऐसे ही कुछ नये पाठ्यक्रम आरंभ किये जाने की योजना है। विश्वविद्यालय सामुदायिक विकास के लिए निरंतर एन0एस0एस0, रोवर्स / रेन्जर्स एवं परिसर के अन्य विभागों की गतिविधियों द्वारा सतत कार्य कर रहा है।

हमारी गुरुकुल परंपरा की विशेषता प्राकृतिक वतावरण में शिक्षा प्रदान करना रही है। नगर के कोलाहल से दूर शांत एवं रमणीक प्राकृतिक वातावरण में बलिया के विख्यात सुरहाताल के निकट स्थित यह विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को अध्ययन के लिये एक सुखद वातावरण के साथ योग्य आचार्यो द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षण भी प्रदान करता है। विद्यार्थियों के व्यक्तित्व के समग्र विकास के लिये हम निरन्तर सन्नद्ध है और साथ ही साथ उनका कौशल विकास भी हमारी प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से प्रत्येक विभाग द्वारा निरन्तर विशेष आयोजन किये जाते हैं।

विश्वविद्यालय ने कई अन्य विश्वविद्यालय एवं राष्ट्रीय संस्थाओं के साथ एम0 ओ0 यू0 किया है जिनकी विशेषज्ञता का लाभ यहाँ के विद्यार्थियों को निरन्तर प्राप्त होता है। इसी क्रम में विभिन्न राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय स्तर के ख्यात विद्वानों का भी मार्गदर्शन यहाँ के विद्यार्थियों को निरंतर प्राप्त होता रहता है। विश्वविद्यालय समय–समय पर विशिष्ट व्याख्यानों, संगोष्ठियों और कार्यशालाओं का आयोजन भी करता रहता है। विद्यार्थी ही किसी भी शैक्षणिक संस्थान की पहचान होते हैं। मैं विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना करता हूँ।

प्रो. संजीत कुमार गुप्ता
कुलपति

विश्वविद्यालय एक परिचय

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय की स्थापना भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री चन्द्रशेखर जी के नाम पर 22 दिसम्बर, 2016 को हुई। बलिया जिसे राजा बलि की राजधानी तथा महर्षि भृगु की तपस्थली भी कहा जाता है, अनेक महान विभूतियों की जन्मस्थली रही है, जिनमें मंगल पाण्डेय, चित्तू पाण्डेय, जयप्रकाश नारायण (जे0पी0) तथा भूतपूर्व प्रधानमंत्री चन्द्रशेखर जी के नाम प्रमुख हैं। बलिया ख्यात साहित्यकारों की सृजनभूमि रही है, जिनमें परशुराम चतुर्वेदी, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, अमरकान्त, पद्मश्री श्रीकृष्णबिहारी मिश्र एवं केदारनाथ सिंह आदि के नाम उल्लेखनीय हैं।

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया के सुरहाताल के तट पर लगभग 51 एकड़ में फैला हुआ है। इस विश्वविद्यालय की स्थापना का उद्देश्य ऐसे छात्र–छात्राओं को गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान करना है, जो ग्रामीण पृष्ठभूमि से आते हैं। इस विश्वविद्यालय का उद्देश्य रोजगारपरक शिक्षा प्रदान करना है। विश्वविद्यालय में वर्तमान में 19 विभाग है, जिनमें कला संकाय, भाषा संकाय, विज्ञान संकाय, वाणिज्य संकाय, प्रबंध संकाय, विधि संकाय, कृषि विज्ञान संकाय, ललित कला एवं मंच कला संकाय के पाठ्यक्रम संचालित किये जाते हैं।

Vision

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय का लक्ष्य देश में उच्च शिक्षा, ज्ञान के सृजन, सामाजिक परिवर्तन और सद्भाव, एकताबद्ध आवाज और एकजुटता की भावना के साथ देश की सेवा करने का एक प्रमुख केन्द्र बनना है। गंगा घाटी के केन्द्र में स्थित यह विश्वविद्यालय अप्रवासी भारतीय और प्रवासन से सम्बन्धित मुद्दों सहित नदी–मैदान आधारित कृषि, अर्थव्यवस्था और समाज के अध्ययन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने को प्रतिबद्ध है।

Mission

- विद्यार्थियों को सर्वोत्तम कक्षा–शिक्षण, अनुसंधान और प्रशिक्षण सुविधाएं प्रदान करके उच्च शिक्षा का एक प्रमुख केन्द्र बनना।
- ऐसे विद्यार्थियों का निर्माण करना जो समाज बदलने में सक्षम हों।
- देश के एक बड़े हिस्से को आच्छादित करने वाले अन्तरसांस्कृतिक, बहुसांस्कृतिक और बहुक्षेत्रीय सातत्य के अध्ययन और अनुसंधान को बढ़ावा देना।
- शिक्षण अनुसंधान और मूल्य निर्माण में उत्कृष्टता की भावना को मूर्त रूप देकर व्यक्तियों की उन्नति के लिये सहायक शैक्षिक वातावरण का समर्थन करना और उसे बनाए रखना।
- गतिमान प्रतिस्पर्धी, वैश्विक और बहुसांस्कृतिक दुनिया में चुनौतियों का सामना करने वाली गतिविधियों पर विचार करना।

Table of Content

Information Bulletin	
Faculty/Departments at a Glance	7-23
Value Added Courses	24
University Facilities	25-26
List of Courses, Seats Available and Fee Structure	27-28
General Rules and Regulations	29-30
Reservation Policy	31-32
Disclaimer	33
Caution	33

Information Bulletin

Opening of Online Application Form	01 May 2025
Last Date of Submission	30 June 2025
Last Date of Submission with Late fee	15 July 2025

विश्वविद्यालय के संकाय/विभाग
Faculty/Department of University

भाषा संकाय
(Faculty of Language)

हिन्दी विभाग
(Department of Hindi)

2018 में विश्वविद्यालय को 10 विषयों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की मान्यता प्राप्त हुई। तदक्रम में 2019 से विश्वविद्यालय परिसर में एम0ए0 (हिन्दी) का पाठयक्रम आरम्भ किया गया। विभाग द्वारा हिन्दी भाषा एवं साहित्य के पठन–पाठन एवं शोध नवाचार पर विशेष ध्यान दिया जाता है। हिन्दी भाषा एवं समाज वस्तुतः लोक से समृद्ध होता है। हिन्दी के विकास में लोकभाषाओं का अद्भुत योगदान है। आधुनिकता के दबाव में लोकभाषाएं ही नहीं अपितु लोकसंस्कृति भी हाशिये पर पहुँच गयी है। विभाग भोजपुरी लोक साहित्य एवं संस्कृति को संरक्षित करने के लिए निरन्तर विशेष आयोजन करता है। विभाग द्वारा भाषा, साहित्य सिद्धान्त, महत्वपूर्ण समकालीन साहित्यिक अवधारणाएं, रचनात्मक लेखन, मीडिया एवं सिनेमा के अध्ययन–अध्यापन एवं शोध–कार्य के द्वारा विद्यार्थियों को नियोजन के लिये प्रशिक्षित करता है। विभाग अपने विद्यार्थियों में ऐसा संस्कार देने का प्रयत्न करता है जिससे कि उनकी रचनाधर्मिता एवं आलोचकीय व्यक्तित्व का विस्तार हो सके। विभाग विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को बेहतर शिक्षण एवं प्रशिक्षण देने के लिए कटिबद्ध है।

अंग्रेजी विभाग
(Department of English)

The Department of English was established in 2020. The cornerstone of Faculty of Languages at Jananayak Chandrashekhar University Ballia, the Department of English offers M.A. and Ph.D. Programmes. The Department intends to create and provide an academically vibrant ambience to its students and researchers. The department encourages crossing and re-crossing of boundaries between disciplines such as theories, literature, film, history, performing arts, etc. because inter-disciplinary approach brings about a wide range of critical concepts and approaches. It extends vocational and professional possibilities and creates a dynamic and more interactive academic community in the field of English literature. A variety of teaching methods used include lectures, seminars, tutorials, group discussions, to facilitate different modes of learning; to exercise different skills and to respond to varied needs at different stages of the M.A. programmes.

In addition to the classroom pedagogical tools, the faculty members of the department impart soft-skills training to hone leadership skills among the students of M.A. in the techno-global era. The Department of English is committed to excellence in teaching, scholarship, and service.

कला, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय
(Faculty of Arts, Humanities and Social Science)

समाजशास्त्र विभाग
(Department of Sociology)

समाजशास्त्र विषय में शिक्षण और अनुसंधान कार्य वर्ष 2018 में शुरू किया गया था। इसी वर्ष समाजशास्त्र में दो साल के स्नातकोत्तर कार्यक्रम को प्रारम्भ किया गया। विभाग के विद्यार्थियों में पेशेवर कौशल विकसित करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम और अतिथि व्याख्यान आयोजित किए जा रहे हैं। हम छात्रों की क्षमता को समृद्ध करने और समाज में हो रहे नित नए विकास के साथ विद्यार्थियों को समायोजित करने का निरंतर प्रयास कर रहे हैं। विभाग का गौरव बढ़ाने के लिए और इसे समृद्ध करने के लिए विभिन्न छात्रोपयोगी और समाजोपयोगी कार्यक्रम, कार्यशालाएं और व्याख्यान आयोजित किये गए। भविष्य में भी इन गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

राजनीति विज्ञान विभाग
(Department of Political Science)

राजनीति विज्ञान का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय संविधान और राज व्यवस्था की संरचना से अवगत कराना, और समकालीन विश्व में अंतरराष्ट्रीय सम्बन्धों की बदलती हुई प्रवृत्तियों और उनको प्रभावित करने वाले कारकों से परिचित कराना तथा वर्तमान विश्व जिन चुनौतियों का सामना रहा है, इसका अध्ययन कराना है। इन्हीं उद्देश्यों को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय में राजनीति विभाग की स्थापना 2020 में की गई। राजनीति विज्ञान विभाग का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण में सकारात्मक योगदान दे सकने में समर्थ बनाना है।

समाज कार्य विभाग
(Department of Social Work)

विश्वविद्यालय में समाज कार्य विभाग में अध्यापन एवं शोध कार्य वर्ष 2020 में प्रारम्भ किया गया। विश्वविद्यालय में सामुदायिक विकास के समन्वय की जिम्मेदारी इस विभाग को दी गई है, जिसके तहत विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गये 10 गाँवों में सामुदायिक विकास हेतु परियोजनाएं चलायी जा रही हैं, जिनकी पहचान उनके सामाजिक, आर्थिक संकेतकों के आधार पर की गई है। विद्यार्थियों में व्यावसायिक कौशल, ज्ञान के प्रति समग्र दृष्टिकोण विकसित करने, विशिष्ट क्षेत्रों में उत्कृष्टता के साथ अन्तर्दृष्टि विकसित करने और सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में नियोजित करने तथा स्वरोजगार में वे संलग्न हो सकें, तद्नरूप एम0ए0 समाजकार्य की रूपरेखा तैयार की गयी है। इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य व्यावसायिक समाज कार्य में शिक्षण और प्रशिक्षण प्रदान करके संबद्ध क्षेत्रों में योग्य सामाजिक कार्यकर्ताओं का निर्माण करना है।

अर्थशास्त्र विभाग
(Department of Economics)

Economics has the capacity to offer us deep insights into some of the most formidable problems of life, and offer solutions to them too, combining a global approach with examples from daily life. To meet this need, the Department of Economics was established in year 2020 and is committed to excellence in quality teaching and innovative research. The faculty members in the Department of Economics emphasize excellence in teaching through continuous professional development and high-quality scholarship.Presently the department is running two programmes. M. A. and Ph.D. Along with it the department offers Value Added and Minor Elective Courses for the students of other disciplines. The research of the department is focused on the regional economic problems and development. Regional economics and local problems remain at the centre of the study of the department.

गृहविज्ञान विभाग
(Department of Home Science)

Home Science is the application of Science and Art to mould the variety of life skills of students. This course imparts them the knowledge and information to plan, undertake and implement. The study involves an interdisciplinary approach in synthesizing knowledge drawn from Physical, Biological, Social Science, Arts and Humanities which has enriched the educational programme. It enables an individual to improve their quality of life. Home Science provides a comprehensive knowledge of Food and Nutrition and Human Development.

The Department of Home Science was established in 2020 at Jananayak Chandrashekhar University, Ballia is integral to the Faculty of Arts, Humanities and Social Science. The Department of Home Science offers two MA programmes: i) M.A. Home Science (Food and Nutrition) and ii) M.A. Home Science (Human Development). Along with the department also offers a Ph.D. programme in Home Science. The Department of Home Science also offers a value added course on Beautician and Grooming.

प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग
(Department of Ancient History, Archelogy and Culture)

प्राचीन इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग की स्थापना सत्र– 2020 में की गयी। अपनी अवस्थापना के समय से ही यह विभाग बलिया की आंचलिक अवस्थिति के छात्रों को शिक्षण एवं अनुसंधान के माध्यम से भारत के अतीत एवं समृद्ध विरासत की गूढ़ समझ विकसित कर उन्हें दृष्टि सम्पन्न, सक्षम एवं रोजगार सम्पन्न बनाने के लिए प्रशिक्षित कर रहा है।

मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास विभाग
(Department of Medieval and Modern History)

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय परिसर में मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास विभाग सत्र – 2020 में स्थापित किया गया था। इसके अन्तर्गत दो वर्षीय परास्नातक पाठ्यक्रम कुल चार सेमेस्टर में विभाजित है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को इतिहास लेखन, अमेरिका के स्वतंत्रता संघर्ष से विश्व शक्ति बनना, फ्रांसीसी क्रांति से विश्व युद्धों के बाद तक का यूरोपीय इतिहास, संयुक्त राष्ट्र संघ का बनना तथा इसकी उपयोगिता और भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष से आजादी तक के इतिहास से विद्यार्थियों को अवगत कराकर भविष्य की चुनौतियों हेतु उन्हें तैयार करना और इस क्रम में उपयोगी शोध करना साथ ही बेहतर नागरिक बनकर रोजगार प्राप्त करनें व देनें की काबिलियत छात्रों में विकसित करना है।

भूगोल विभाग
(Department of Geography)

भूगोल विषय एक व्यापक संभावनायें प्रदान करता है और हमें अपने आस–पास के बारे में ज्ञान प्रदान करता है। भूगोल विभाग जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया द्वारा 2022 में स्थापित महत्वपूर्ण विभागों में से एक है। भूगोल विभाग विद्वानों की एक नई पीढ़ी को शिक्षित करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो आज समाज में प्रतिनिधित्व किए जाने वाले बौद्धिक दृष्टिकोणों, जीवन के अनुभवों और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि की विविधता को प्रतिबिंबित करेगा।

विज्ञान संकाय
(Faculty of Science)

भौतिक विज्ञान विभाग
(Department of Physics)

The Department of Physics offers two-year Master's program (M. Sc.- Physics) since 2021. We are committed to fostering excellence in the study and research of Physics.

The Department provides a platform to students to develop not only theoretical knowledge but also sharpen their practical wisdom, problem solving skills, scientific rigor, innovative research, and provide a supportive learning environment with aim to inspire and empower the next generation of physicists to cater to the need of the students to crack competitive examinations.

The Department is equipped with experimental setup like Michelson Interferometer, Hall experiment Setup, Frank- hertz experiment setup, Energy band gap, FET, MOSFET, Transistor amplifier, Negative feedback amplifier, Operational Amplifier, Multivibrator, Wein's bridge Oscillator, Phase- shift Oscillator, Digital to Analog Converter, Analog To digital Convertor, BCD Encoder, BCD Encoder, Multiplexer, ALU- Arithmetic Logic Unit, Microprocessor, Modulation-Demodulation, CRO- Cathode ray Oscilloscope, DSO- Digital Storage Oscilloscope, and Frequency Generator, etc. Students performs experiment not only on trainer kit but also, they Can design on Bread Board to improve their practical knowledge and application to understand real complexity of Designing a circuit. The faculty members of the Department always encourage students and provide support to design their projects and publish their research papers in reputed journals.

Students can take active participation and design projects like Clap lighting system, Li-Fi, Water Level indicator, Battery Charging Level Indicator.

गणित विभाग
(Department of Mathematics)

Mathematics holds the esteemed position of being the queen among all sciences, with an autonomous role in advancing physical, biological, and social sciences, as well as various allied and multidisciplinary fields. Its remarkable growth over the years underscores its significance. Consequently, Mathematics was incorporated into the subjects introduced when teaching departments were established in the University in 2021. Additionally, an M.Sc. programme in Mathematics (self-financed mode) was initiated at the outset. Now the Department of Mathematics offers M.Sc. in Mathematics and Ph.D. in Mathematics programme. The department has established a distinctive presence in the realm of Mathematics Education. The department is equipped with research facilities covering a wide range of areas, including Fluid Mechanics, Stability Theory, General Topology, Approximation Theory, Fuzzy Game Theory, Fuzzy Goal Programming, Fuzzy Transportation Modelling, Cryptography, Mathematical Modelling, and Operations Research.

(Department of Computer Science)
Bachelor of Computer Application with Artificial Intelligence

Bachelor of Computer Application with Artificial Intelligence (BCAAI) Programme, four year programme based on CBCS/NEP, acknowledges the recent surge in digital technology solutions enhancing various aspects of changing technological/digital environment. The growing necessity for secure digital solutions underscores the imperative for intelligent decision-making systems across industries. This surge has catalyzed a significant adoption of Artificial Intelligence and Machine Learning technologies, projected to maintain relevance in the foreseeable future. As industries increasingly embrace algorithmic automation, there's a rising demand for software engineers proficient in Artificial Intelligence and Machine Learning. The objective of the B.C.A.-A.I. programme is to groom the younger generation into highly skilled professionals, fostering the development of world-class computer scientists in an application-oriented environment. The student seeking admission to B.C.A.-A.I programme has to full fill the following: *A candidate should have completed 10+2 examination/ Pre-university/ HSC/ Intermediate or any other equivalent examination from a recognized board with a minimum of 50% aggregate marks in any discipline (Arts, Commerce, Science) with mathematics as one of the subjects.

वाणिज्य संकाय
(Faculty of Commerce)

M.Com

एम.कॉम. विश्वविद्यालय का तीसरा संस्थापक विभाग है। विभाग अपनी स्थापना से ही छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए लगातार काम कर रहा है। विभाग का उद्देश्य छात्रों को कार्पोरेट जगत में प्रतिस्पर्धा करने और खुद को स्थापित करने में सक्षम बनाना है। विभाग का लक्ष्य वाणिज्य संकाय को उत्कृष्टता का केंद्र बनाने के लिए शिक्षकों और छात्रों में समग्र शैक्षणिक मानकों का उत्थान करना है। बदलते परिवेश की गतिशीलता के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए, वाणिज्य संकाय नियमित रूप से सभी कार्यक्रमों के पाठ्यक्रमों की संरचना को अद्यतन करता रहता है। परिसर में वाणिज्य में स्नातकोत्तर कार्यक्रम के साथ–साथ स्नातक स्तर पर एक नया पाठ्यक्रम बी.काम (बैंकिंग और बीमा) इस शैक्षणिक सत्र से शुरू किया गया है। विभाग वस्तु एवं सेवा (GST) कर में डिप्लोमा भी चला रहा है, जो एक अत्यधिक रोजगारोन्मुखी कोर्स हैं। विभाग उन छात्रों को सहायता भी प्रदान करता है जो जेआरएफ/नेट, बैंकिंग और पीएचडी जैसी परीक्षाओं में शामिल होना चाहते हैं। विभाग उन छात्रों को भी सहायता प्रदान करता है जो चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए), कंपनी सेक्रेटरी (सीएस) और आईसीडब्ल्यूए जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के क्षेत्र में जाना चाहते हैं। विभाग जरूरतमंद छात्रों को प्लेसमेंट सहायता भी प्रदान करता है।

B. Com. (Banking & Insurance)

B. Com. (Banking & Insurance) - the three/four-year full time multiple entry-exist programme under National Education Policy (NEP). B.Com. (Banking & Insurance) programme provides a comprehensive study of the Financial and Banking system that covers an overview of banking and insurance system, theories, marketing aspects, banking regulations, monetary policies and financial and insurance markets. This course opens a horizon of opportunities for students, who looking a lucrative and rewarding career in this field. Given the dynamic nature of the sector complemented with the possible employment opportunities in Public Sector and MNCs, it is indeed the preferred choice for the students. In addition to this, this sector paves the way for numerous self-employment and entrepreneurial opportunities. This programme opens opportunities for higher education in Commerce, Banking and Management.

प्रबंध संकाय
(Faculty of Management)

बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (Bachelor of Business Administration)

BBA (Bachelor of Business Administration) - the three/four-year full time multiple entry-exist programme under National Education Policy (NEP). The objective of this programme is developing young generation into highly adept professional managers. Students will be capable of working in diverse sectors, continuously striving for excellence in performance, while propagating thought leadership and contributing to the welfare of the society at large. The programme rests on two pillars: one, providing a strong analytical foundation in key functional areas and the other, enabling a high degree of academic flexibility, thereby allowing students to customize their experiences. The programme nurtures and develops world-class business leaders with personalized care and attention, in small workgroups and teams and in a practical, application-oriented environment.

कृषि विज्ञान संकाय
(Faculty of Agriculture Science)

कृषि विज्ञान विभाग
(Department of Agriculture Science)

कृषि विज्ञान विभाग की स्थापना जून 2021 में हुई। यह संकाय 2021 में चार वर्षीय स्नातक और दो वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के साथ प्रारम्भ किया गया। विभाग ने छात्रों में कौशल विकसित करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम और अतिथि व्याख्यान आयोजित किए हैं। विद्यार्थियों की क्षमता को समृद्ध करने और समाज में नए विकास के साथ समायोजित करने के लिए विभाग की समृद्धि हेतु कई कार्यक्रम, कार्यशालाएं और व्याख्यान आयोजित करने की योजना है।

उद्यान विज्ञान विभाग
(Department of Horticulture)

उद्यान विज्ञान विभाग की स्थापना वर्ष 2021 में हुयी। इस विभाग द्वारा विद्यार्थियों को उद्यान में उगाये जाने वाले फूलों, फलों की बेहतर उपज और नई प्रजातियों के विकास के लिये शिक्षण एवं प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

शस्य विज्ञान विभाग
(Department of Agronomy)

शस्य विज्ञान विभाग की स्थापना वर्ष 2022 में की गयी। इस विभाग के अन्तर्गत विद्यार्थियों को फसलों के बेहतर उत्पादन एवं नयी प्रजातियों के विकास के सन्दर्भ में शिक्षण और प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

ललित कला एवं मंच कला संकाय
(Faculty of Fine Arts and Performing)

संगीत विभाग
(Department of Music)

विश्वविद्यालय में संगीत विभाग की स्थापना 2022 में की गयी। अनादि काल से संगीत मानव को अनन्त शांति व आनंद प्रदान करता आ रहा है। भारतीय संगीत मानव की पार्शविक व हिंसक वृत्तियों को दूर करके उसमें दैवीय गुणों का संचार करने की क्षमता रखता है। संगीत की तीनों विधाएं (गायन ,वादन,व नृत्य) न केवल स्वर ,ताल लय की साधना कराती हैं बल्कि एक यौगिक क्रिया बनाती हैं जिससे शरीर, मन व प्राण तीनों शुद्ध होते हैं तथा चेतना जागृत हो जाती है। भारतीय संगीत न सिर्फ हमारा मनोरंजन करता है बल्कि इस क्षेत्र में आपके लिए करियर के अनेक शानदार अवसर उपलब्ध है।

- संगीत विभाग द्वारा संगीत (गायन) में स्नातकोत्तर उपाधि एवं संगीत–वादन (तबला) में स्नातकोत्तर उपाधि का पाठ्यक्रम चलाया जा रहा है।

बी.एफ.ए., ललित कला विभाग
(B.F.A., Department of Fine Arts)

बी0एफ0ए0 (चार वर्षीय) पाठ्यक्रम का आरम्भ 2022 में हुआ था। इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत विद्यार्थियों को ललित कला विद्या के अन्तर्गत चित्रकला, व्यवहारिक कला, मूर्तिकला, टेक्सटाइल, म्यूरल, प्रिंट मेकिंग आदि विभिन्न भारतीय एवं पाश्चात्य परंपराओं की शिक्षा प्रदान करते हुए उनके सृजनात्मक कौशल को एक कलात्मक दिशा प्रदान की जाती है।

विधि संकाय
(Faculty of Law)

B.A-L.L.B. (5-Years Integrated Course)

B.A. LL.B. (Hons.)—Five Year Integrated Programme is a self-financed Programme, offered by the Faculty of Law. This is a full-time programme and no other degree or diploma course can be pursued along with it. This Programme has been approved by the BCI. The Department of Law is equipped with Moot Court, Departmental Library, and Computer Lab, etc.

Faculty members of the Department are enriched with diverse academic background along-with vast experiences of teaching at the premier Institutions. The Department of Law conducts various invited lectures from the experts of India. The students are engaged with several extra-curricular activities which hones their professional and academic abilities. One of the Students from the Faculty of Law was nominated one-day DM by the District Magistrate of Ballia under Mission-Shakti (Phase 5.0), launched by the Government of Uttar Pradesh.

Students seeking admission in B.A. L.L.B. (HONS.) should have passed one of the following examinations:

a. 10+2 examination conducted by the U.P. Board or CBSE or the I.S.C. Board, etc.

b. Any other equivalent examination recognized by the University.

व्यावसायिक पाठ्यक्रम
(Professional Programme)

पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन (PGDCA)

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को कम्प्यूटर एप्लीकेशन के क्षेत्र में भावी कैरियर बनाने में उनकी आवश्यकता को पूरा करने के लिए कम्प्यूटर का प्रशिक्षण देना है। PGDCA कार्यक्रम को कम्प्यूटर अनुप्रयोगों के विभिन्न पहलुओं में ज्ञान और कौशल प्रदान करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। इसके अन्तर्गत विद्यार्थियों को सूचना प्रौद्योगिकी के नवीनतम रुझानों में भी प्रशिक्षित किया जाएगा।

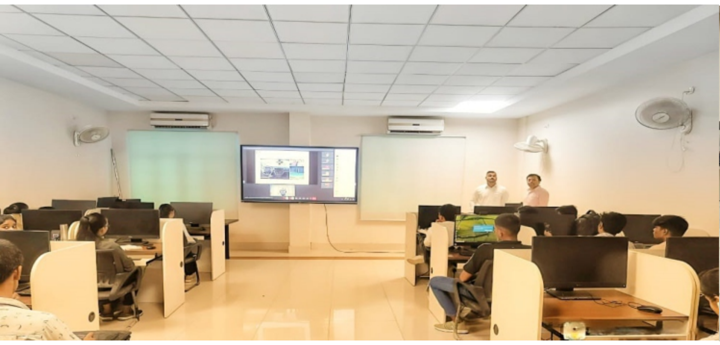

पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन टूरिज्म, एण्ड हॉस्पिटेलिटी मैनेजमेंट(PGDTHM)

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य को देश एवं क्षेत्र में उपलब्ध आतिथ्य प्रबन्धन के क्षेत्र में उपलब्ध विशाल अवसर को पूरा करने के लिए विद्यार्थियों को गुणवत्तापरक प्रशिक्षण प्रदान करना है तथा पर्यटन और आतिथ्य के क्षेत्र में कुशल उद्यमियों को तैयार करना है जिससे बलिया जनपद को राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय पटल पर पर्यटन के क्षेत्र में अग्रणी किया जा सके।

पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन गुड्स एण्ड सर्विसेज टैक्स (PGDGST)

विश्वविद्यालय परिसर में पी0जी0डी0जी0एस0टी0 को सत्र 2021 में प्रारम्भ किया गया। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को जी0एस0टी0 के बारे में सम्पूर्ण ज्ञान प्रदान करना है, जिससे कि वो जी0एस0टी0 के क्षेत्र में एक पेशेवर के रूप में अपने आप को स्थापित कर सकें। परिसर में इसकी स्थापना विशेष रूप से इस जटिल कर व्यवस्था के बारे में एक वर्षीय पी0जी0 डिप्लोमा कोर्स के माध्यम से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास पैदा करने के लिए की गयी है।

पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन जर्नलिज्म एण्ड मास कम्युनिकेशन (PGDJMC)

मीडिया के चुनौतीपूर्ण, और लोकप्रिय क्षेत्र के लिए विद्यार्थियों को तैयार करने की दृष्टि से जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय में वर्ष 2021 में पत्रकारिता विभाग स्थापित किया गया। यह विभाग उभरते पत्रकारों के बीच पेशेवर नैतिकता और मानकों के विचारों का समर्थन करता है और उन्हें स्थापित करता है। छायाकारों, वरिष्ठ पत्रकारों और प्रोफेसरों के सानिध्य में कार्यशालाएं, सेमिनार, वार्ता और बातचीत विभागीय गतिविधियों की एक नियमित विशेषता है। छात्रों को एक पत्रकार की दुनिया का अनुभव करने में सक्षम बनाने के लिए, प्रेस और प्रसारण एजेंसियों के आदि के शैक्षणिक भ्रमण को प्रोत्साहित किया जाता है। पत्रकारिता विभाग पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्रदान करता है, जो विद्यार्थियों के लिए एक व्यावसायिक पाठ्यक्रम है।

पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन योग नेचुरोपैथी (PGDYN)

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य स्वस्थ शरीर के साथ–साथ स्वस्थ मस्तिष्क एवं उत्तम चरित्र का निर्माण करना है। इस एक वर्षीय पाठ्यक्रम में योग्य एवं प्रशिक्षित शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को योग तथा प्राकृतिक चिकित्सा में उच्च गुणवत्तापरक प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

Bachelor in Library and Information Science (B.Lib. & I.Sc.)

Libraries are now universally recognized as important social institutions. No community is considered complete without a library. The gradual spread of the concept of democracy, the extension of education, the intensification of research activities, and the rapid increase in production of recorded knowledge, have led to the expansion of libraries and the development of their services. A public library is an important element in the life of a community; an academic library is an essential part of an educational institution, school, college or university; a business or special library is indispensable in government departments and large business and industrial organizations. Librarianship is a growing field, which has by now attained the status of a separate discipline in the universe of knowledge.

Bachelor of Library and Information Science (B.Lib. & I.Sc.) at JNCU is a one year full time professional degree programme.

मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम
(Value Added Course)

Value-Added Courses (VACs) are additional educational offerings that provide students with skills and knowledge that are beyond the standard curriculum. They are designed to raise students' standards above and beyond the levels specified in the academic curriculum. They are included in the curriculum to improve students' employability and to bridge the gap between the curriculum and the needs of the industry. The goal of these value-added courses is to provide students with a well-rounded education that prepares them for success in their future careers. By offering a diverse range of course options, the university is able to support the individual learning needs of each student and help them to develop a strong foundation of knowledge and skills. The university is offering following value added courses.

Sl. No.	Value Added Courses
1.	Computer Fundamentals
2.	Computerized Accounting System using Tally
3.	Creative Writing
4.	Desktop Publishing
5.	E-Governance
6.	Home Based Catering
7.	Meditation and Stress Management
8.	Moral Value and National Value
9.	Painting (Kohbar Kala)
10.	Personal Hygiene and Ayurveda
11.	Soft-Skills
12.	Spirituality in Social Work
13.	Warli Kala Painting
14.	Website Designing
15.	रचनात्मक लेखन

Note:- Student has to opt any one of the above Value Added Courses with the P.G. Programmes.

विश्वविद्यालयीय सुविधाएं
University Facilities

कम्प्यूटर/भाषा प्रयोगशाला (Computer / Language Laboratory)

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय परिसर में स्थित कम्प्यूटर लैब आधुनिक तकनीकी से लैस है। कम्प्यूटर लैब/भाषा लैब में विद्यार्थियों के कम्प्यूटर सीखने के लिए 25 कम्प्यूटर लगे हुए हैं, जिनके साथ–साथ एलईडी डिस्प्ले स्मार्ट कंप्यूटर भी लगा हुआ है। यह लैब पूर्णरूपेण वातानुकूलित है। विद्यार्थियों को कम्प्यूटर के क्षेत्र में कैरियर बनाने के लिए कम्प्यूटर का परीक्षण देने एवं कंप्यूटर अनुप्रयोग के विभिन्न पहलुओं और ज्ञान–कौशल प्रदान करने के उद्देश्य से कम्प्यूटर लैब/भाषा लैब तैयार किया गया है। कम्प्यूटर लैब भाषा कार्यशाला के रूप में भी प्रयोग में आता है।

पुस्तकालय (Library)

महर्षि भृगु केन्द्रीय पुस्तकालय 2016 में स्थापित विश्वविद्यालय का मुख्य पुस्तकालय है। इसे विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शोधार्थियों और शिक्षकों की आवश्यकताओं को पूरा करने की दृष्टि से स्थापित किया गया है। यह विश्वविद्यालय द्वारा किए गए विभिन्न शोध कार्यक्रमों और विभिन्न विषयों के सम्बन्ध में ज्ञान के क्षितिज को प्रकट करता है। वर्तमान में महर्षि भृगु केन्द्रीय पुस्तकालय में सामाजिक विज्ञान और मानविकी, कला और भाषा, कम्प्यूटर, पत्रकारिता, विज्ञान, कृषि और योग की विभिन्न विधाओं में लगभग कई हजार पुस्तकें हैं। पुस्तकालय संग्रह में फिक्शन, कहानियां, सामान्य पुस्तकें, विश्वकोश और शब्दकोश, पत्रिकाएं आदि दस्तावेज भी शामिल हैं।

कैंटीन (Canteen)

कैंटीन आम तौर पर स्कूल/कएलेज या विश्वविद्यालय परिसर का सबसे जीवंत और सक्रिय होता है जो यह अतिरिक्त पाठयक्रम गतिविधियों के केंद्र होते हैं। विश्वविद्यालय परिसर में भी एक कैन्टीन है, जो सभी कार्य दिवसों में खुली रहती है।

छात्रावास (Hostel)

विश्वविद्यालय परिसर में अनुसूचित जाति/जनजाति की छात्राओं के लिये 100 शय्या का रानी दुर्गावती छात्रावास का निर्माण हो चुका है। इस सत्र से ही यह छात्रावास छात्राओं को आवंटित किया जाएगा।

परिवहन सुविधाएं (Conveyance)

विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के लिए उ0प्र0 राज्य सड़क परिवहन निगम के माध्यम से बस सुविधा उपलब्ध कराई गयी है, जो दो विभिन्न मार्गोंसे होकर विश्वविद्यालय जाती है।

- एक बस, रोडवेज स्टैंड से चलकर टी०डी० कॉलेज चौराहा, कुँवर सिंह चौराहा, बहादुरपुर, जीराबस्ती, बसंतपुर होते हुए विश्वविद्यालय परिसर पहुँचती है और फिर वापसी में विश्वविद्यालय से चलकर इसी रास्ते से होते हुए वापस रोडवेज पहुँचती है।

- दूसरी बस सुखपुरा, बेरूवारबारी, बसंतपुर के रास्ते से होकर विश्वविद्यालय परिसर पहुँचती है। और फिर वापसी में विश्वविद्यालय से चलकर इसी रास्ते से होते हुए वापस सुखपुरा पहुँचती है।

स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की सीट संख्या और शुल्क विवरण

विश्वविद्यालय परिसर के पाठ्यक्रम	कोड	सीट संख्या	वार्षिक शुल्क
बी0एस-सी0 (कृषि)	515	120	15,000 /-
बी0एफ0ए0	251	30	15,000 /-
बी0कॉम0 (बैंकिंग एण्ड फाइनेन्स)	5080	120	15,000 /-
बी0लिब0 एवं आइ0 एससी0	5090	60	30,000 /-
बी0ए0-एल0एल0बी0 (5 वर्षीय पाठ्यक्रम)	6010	120	36,000 /-
बी0बी0ए0	5071	30	30,000 /-
बी0सी0ए0 (ए0आई0)	6000	60	15,000 /-
एम0ए0 हिन्दी	732	60	2804 /-
एम0ए0 अंग्रेजी	720	60	2804 /-
एम0ए0 समाजशास्त्र	788	60	2804 /-
एम0ए0 राजनीति विज्ञान	776	60	2804 /-
एम0ए0 अर्थशास्त्र	712	60	2804 /-
एम0ए0 प्राचीन इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व	700	60	2804 /-
एम0ए0 मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास	740	60	2804 /-
एम0ए0 गृह विज्ञान (मानव विकास)	748	30	2804 /-
एम0ए0 गृह विज्ञान (आहार एवं पोषण)	744	30	2804 /-
मास्टर ऑफ सोशल वर्क (समाज कार्य)	900	60	2804 /-
एम0कॉम0	267	120	2804 /-
एम0ए0 भूगोल	728	30	16,000 /-
एम0ए0 शिक्षा शास्त्र, प्रस्तावित		30	16,000 /-
एम0ए0 संगीत (गायन)	6101	30	16,000 /-
एम0ए0 संगीत (तबला)	6141	30	16,000 /-
एम0एस-सी0 (कृषि) उद्यान (हार्टिकल्चर)	650	20	16,000 /-
एम0एस-सी0 (कृषि) (शस्य विज्ञान (एग्रोनामी)	655	20	16,000 /-
एम0एस-सी0 (कृषि) (एनिमल हस्बैंड्री एण्ड डेयरी टेक्नॉलॉजी) प्रस्तावित		20	16,000 /-
एम0एस-सी0 भौतिक विज्ञान	840	30	16,000 /-
एम0एस-सी0 गणित	836	30	16,000 /-
पी0जी0 डिप्लोमा इन कम्प्यूटर ए0 (PGDCA)	865	30	10,000 /-
पी0जी0 डिप्लोमा इन टूरिज्म एंड हॉस्पीटेलिटी मैनेजमेन्ट (PGDTHM)	867	30	10,000 /-
पी0जी0 डिप्लोमा इन योगा एण्ड नेचुरोपैथी (PGDYN)	868	30	10,000 /-
पी0जी0 डिप्लोमा इन गुड्स एण्ड सर्विसेज टैक्स (PGDGST)	869	30	10,000 /-
पी0जी0 डिप्लोमा इन जर्नलिज्म एण्ड मास कम्युनिकेशन (PGDJMC)	870	30	10,000 /-

नोट– प्रवेश के समय विद्यार्थी द्वारा कॉशन मनी के रूप में रुपये 1000/– मात्र जमा किया जाएगा, जो पाठ्यक्रम उत्तीर्ण किये जाने के बाद वापस किया जा सकेगा।

- **Value Added Course** के लिए 500/– रुपये मात्र जमा किया जायेगा।
- सम–सेमेस्टर में परीक्षा शुल्क देय होगा।
- शुल्क सेमेस्टरवार जमा होगा।
- विश्वविद्यालय परिसर में संचालित पाठ्यक्रमों में दी गयी सीटों की संख्या घट या बढ़ सकती है।

सम्बद्ध महाविद्यालयों के पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम का नाम	कोड	सीट संख्या
एम0एस-सी0 (कृषि)		
(i) कृषि अर्थ शास्त्र एवं सांख्यिकी	245	20
(ii) कृषि रसायन एवं मृदा विज्ञान	246	20
(iii) अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन	247	20
एम0कॉम0	267	420
एम0एड0	601	100
त्रिवर्षीय एल0एल0बी0	105	580
बी0पी0एड0	678	200
बी0सी0ए0	501	120
बी0एस-सी0 (कृषि)	515	660
बी0एल0एड0	14	200
बी0ए0 बी0एड0		150
बी0एस-सी0 बी0एड0		50

नोटः—

1. उपर्युक्त पाठ्यक्रमों / विषयों में प्रवेश, प्रवेश परीक्षा के माध्यम से दिया जायेगा, परन्तु प्रवेश हेतु उपलब्ध सीटों के सापेक्ष डेढ़ गुना से कम आवेदन पत्र प्राप्त होने की दशा में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा का आयोजन नहीं किया जायेगा, तथा अर्हता परीक्षा की मेरिट के अनुसार सीधे प्रवेश दे दिया जायेगा।
2. प्रवेश परीक्षा की तिथियॉ बाद में घोषित करते हुए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर सूचना दी जाएगी, अतः नियमित रूप से वेबसाइट देखते रहें।
3. प्रवेश हेतु सम्बन्धित अर्हता परीक्षा के अन्तिम सेमेस्टर / वर्ष की परीक्षा में सम्मिलित परीक्षार्थी भी आवेदन कर सकते है। किन्तु प्रवेश के समय उन्हें अर्हता परीक्षा के उत्तीर्ण होने का अंकपत्र / प्रमाण पत्र अवश्य प्रस्तुत करना होगा।

प्रवेश परीक्षा का पाठ्यक्रम

1. एम0ए0, एम0काम0, एम0एससी0 (कृषि) तथा एम0एड0 पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु स्नातक स्तर के सम्बन्धित पाठ्यक्रम से कुल 100 वस्तुनिष्ठ प्रकार (आब्जेक्टिव टाईप) के प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनका उत्तर ओ0एम0आर0 पत्रक पर देना होगा।
2. बी0पी0एड0, बी0सी0ए0, एल0एल0बी0, एम0एस0डब्लू0, एवं बी0एल0एड0 पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु सामान्य अध्ययन के कुल 100 वस्तुनिष्ठ (आब्जेक्टिव टाइप) प्रकार के प्रश्न पूछे जायेगें, जिनका उत्तर ओ0एम0आर0 पत्रक पर देना होगा।
3. बी0एससी0 (कृषि) में प्रवेश हेतु इण्टरमीडिएट स्तर के कृषि एवं विज्ञान के पाठ्यक्रमों से कुल 100 वस्तुनिष्ठ (आब्जेक्टिव टाइप) प्रश्न पूछे जायेंगे, जिसमें 25 प्रतिशत सामान्य अध्ययन से तथा शेष 75 प्रतिशत प्रश्न कृषि एवं विज्ञान से पूछे जायेंगे।

प्रवेश हेतु सामान्य नियम

1. प्रवेश से सम्बन्धित समस्त सूचनाएँ विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.jncu.ac.in पर दी जायेंगी। अत एव अभ्यर्थियों से अपेक्षित है कि वे विश्वविद्यालय की वेबसाइट नियमित रूप से देखते रहें।
2. "JNCUURN" प्राप्त करने हेतु SAMARTH पोर्टल पर रु0 100/– शुल्क सहित पंजीकरण अनिवार्य है। इसके पश्चात ऑनलाइन प्रवेश प्रपत्र हेतु रु0 550/– (एस0सी0/एस0टी0/दिव्यांगजन हेतु शुल्क रू 350/–) शुल्क देय होगा, तथा निर्धारित तिथि के उपरांत केवल प्रवेश प्रपत्र पर रु0– 100/– का विलम्ब शुल्क अतिरिक्त देय होगा। अभ्यर्थी द्वारा प्रवेश हेतु जमा किया गया शुल्क किसी भी दशा में वापस नहीं किया जायेगा।
3. अभ्यर्थी जिस विषय/पाठ्यक्रम की प्रवेश परीक्षा में सम्मलित होगा, उसी विषय/पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जायेगा। अभ्यर्थी का अपने आवेदन श्रेणी में ही प्रवेश अनुमन्य होगा, बशर्ते कि वह अर्ह हो तथा मेरिट क्रम में आता हो।
4. यदि कोई अभ्यर्थी प्रवेश हेतु एक से अधिक विषयों/पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित होना चाहता है तो उसे प्रत्येक विषय के लिए अलग–अलग ऑनलाइन आवेदन निर्धारित शुल्क के साथ करना होगा।
5. अभ्यर्थी द्वारा ऑनलाइन आवेदन पत्र स्वयं भरा जायेगा तथा अन्तिम तिथि के उपरान्त किसी भी प्रकार के संशोधन की अनुमति नहीं होगी।
6. उत्तर प्रदेश शासन तथा विश्वविद्यालय की प्रवेश समिति द्वारा समय–समय पर निर्गत होने वाले दिशा–निर्देश आवेदक को मान्य होंगे।
7. प्रवेश के समय विश्वविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रमों में नियमानुसार सीटों की संख्या घट अथवा बढ़ सकती है।
8. शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश हेतु आरक्षण से सम्बन्धित उत्तर प्रदेश अधिनियम के प्राविधान पूर्णतः लागू होंगे। आरक्षित सीटें रिक्त रहने पर सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों द्वारा नियमानुसार भरी जायेंगी। आरक्षण का लाभ केवल उत्तर प्रदेश के मूल निवासी को ही दिया जायेगा।
9. प्रवेश के समय समस्त शैक्षिक प्रमाण पत्र एवं सभी वांछित प्रमाण पत्र मूल रूप में लाना अनिवार्य होगा। टी0सी0/माइग्रेशन प्रमाण–पत्र प्रवेश के समय मूलरूप में जमा करना होगा। उपर्युक्त के अभाव में प्रवेश प्रदान नहीं किया जायेगा तथा मेरिट क्रम में अगले अभ्यर्थी को प्रवेश हेतु आंमत्रित किया जायेगा।
10. सम्बन्धित विषयों/पाठ्यक्रमों में प्रवेश समिति द्वारा प्रवेश प्रदान किये जाने के उपरान्त शिक्षण शुल्क व अन्य शुल्क तीन दिनों के अन्दर जमा करना अनिवार्य होगा।

11. गलत/भ्रामक सूचनाओं के आधार पर लिया गया प्रवेश, शुल्क जमा करने के बाद भी निरस्त कर दिया जायेगा।
12. यदि किसी विषय/पाठ्यक्रम में प्रवेश परीक्षा के आवेदन–पत्रों की संख्या डेढ़ गुने से कम होगी तो उस विषय में प्रवेश परीक्षा का आयोजन नहीं किया जायेगा। ऐसी दशा में प्रवेश नियमों का पालन करते हुए अभ्यर्थियों को अर्हकारी परीक्षा के मेरिट के आधार पर प्रवेश प्रदान किया जायेगा।
13. यदि त्रुटिवश किसी अभ्यर्थी को प्रवेश परीक्षा में बैठने हेतु प्रवेश–पत्र निर्गत हो जाता है, तो विश्वविद्यालय को यह अधिकार होगा कि अभ्यर्थी की प्रवेश परीक्षा में बैठने की अनुमति एवं उसका प्रवेश परीक्षाफल निरस्त कर दे।
14. ऐसे किसी अभ्यर्थी को, जो पुलिस रिकार्ड के अनुसार किसी अभियोग में पंजीकृत (प्राथमिकी दर्ज हो) अथवा नैतिक पतन के किसी अपराध अथवा किसी आपराधिक मामले में सम्मिलित हो, उसे विश्वविद्यालय द्वारा प्रवेश नहीं दिया जायेगा तथा यदि तथ्य छिपाकर प्रवेश प्राप्त कर लिया गया है, तो उसका प्रवेश निरस्त कर दिया जायेगा।
15. मा0 उच्चतम न्यायालय के आदेशानुसार रैगिंग अथवा अन्य किसी असंवैधानिक गतिविधि में लिप्त पाये जाने पर बिना कारण बताये छात्र को विश्वविद्यालय परिसर से निष्कासित कर दिया जायेगा। प्रवेश के समय इस आशय का शपथ–पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
16. एम0एससी0 (कृषि) में प्रवेश हेतु इच्छुक अभ्यर्थी एक आवेदन पत्र भरेंगे तथा विषय का आवंटन प्रवेश परीक्षा की मेरिट के आधार पर उनके द्वारा भरे गये वरीयता के क्रम में काउंसिलिंग के माध्यम से किया जायेगा।
17. जननायक चन्दशेखर विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त अभ्यर्थी किसी अन्य विषय से पुनः एम0ए0 करने हेतु अर्ह नहीं होंगे।
18. किसी भी विषय/पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु अधिकतम तीन वर्ष का अंतराल अनुमन्य होगा। प्रवेश के समय इस आशय का शपथ पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य है। (व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को छोड़ कर)
19. जिन पाठ्यक्रमों का संचालन दो अथवा दो से अधिक महाविद्यालयों में होता है तो उन पाठ्यक्रमों की ही सूची विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध करायी जायेगी। शेष विषयों/पाठ्यक्रमों में सीधे प्रवेश सूची निर्गत करते हुए प्रवेश प्रदान कर दिया जायेगा।

प्रवेश हेतु आरक्षण व्यवस्था

1.1. अनुसूचित जाति के लिये 21%, अनुसूचित जन जाति के लिये 02% तथा अन्य पिछड़े वर्ग के लिए 27% स्थान आरक्षित हैं। अभ्यर्थियों को प्रवेश के समय जाति का मूल प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। अन्य पिछड़े वर्ग के लिए 03 वर्ष से पूर्व निर्गत जाति प्रमाण–पत्र मान्य नहीं होगा। नियमानुसार आरक्षण का लाभ केवल उन्हीं अभ्यर्थियों को मिलेगा, जो उत्तर प्रदेश राज्य के मूल निवासी हों।

2. क्षैतिज आरक्षण (**Horizontal Reservation**)

(क) दिव्यांग अभ्यर्थियों की सभी श्रेणियों (दृष्टिहीन/कम दृष्टि, श्रवण ह्रास एवं चालन निःशक्तता या प्रमस्तिष्कीय संघात) के लिए पृथक–पृथक एक प्रतिशत (1%) स्थान कुल 04 प्रतिशत स्थान सम्बन्धित संवर्ग में श्रेणीवार आरक्षित है। दिव्यांग अभ्यर्थियों को आरक्षण उनकी दिव्यांगता का परीक्षण करने के उपरान्त दिव्यांगता 60% या **60%** से अधिक होने की स्थिति में मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा निर्गत किया गया प्रतिहस्ताक्षरित प्रमाण–पत्र प्रवेश के समय प्रस्तुत करना होगा।

(ख) स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रितों के लिए कुल 02 प्रतिशत सीट सम्बन्धित संवर्ग में श्रेणीवार आरक्षित है।

(ग) उत्तर प्रदेश के सेवानिवृत्त अथवा अपंग रक्षा कर्मियों अथवा युद्ध में मारे गये रक्षा कर्मियों अथवा उत्तर प्रदेश में तैनात रक्षा कर्मियों के पुत्र–पुत्रियों को प्रत्येक पाठ्यक्रमानुसार समस्त प्रवेश सीटों का अधिकतम 5 प्रतिशत स्थान सम्बन्धित संवर्ग में श्रेणीवार आरक्षित है।

(घ) महिला अभ्यार्थियों हेतु 20 प्रतिशत स्थान सम्बन्धित संवर्ग में श्रेणीवार आरक्षित होगा। महिलाओं के कुल आरक्षित सीटों में से 02 प्रतिशत सीट विधवा/तलाकशुदा महिलाओं को सम्बन्धित संवर्ग में श्रेणीवार आरक्षित होगा।

(ङ) उत्तर प्रदेश शासन के कार्यालय ज्ञाप दिनांकः 14 मार्च, 2019 के अनुपालन में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गो(EWS) के अभ्यर्थियों हेतु अधिकतम 10 प्रतिशत आरक्षण अनुमन्य होगा।

3. अधिभार (Weighttage) के नियम

विवरण	भरांक
राष्ट्रीय या राज्य स्तरीय या अन्तरविश्वविद्यालयीय खेलकूद की प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों को निम्नानुसार अधिभार दिया जायेगा :–	
1. एकल प्रतियोगिता।	15
2. समूह प्रतियोगिता।	10
3. किसी विश्वविद्यालय द्वारा संचालित अन्तरमहाविद्यालयीय टूर्नामेंट या क्रीडा या खेलकूद प्रतियोगिता।	10
नेशनल कैडट कोर एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के अभ्यर्थी	
1. नेशनल कैडट कोर में (सी) प्रमाण पत्र पाने वाले पुरूष अभ्यर्थी तथा जी–2 प्रमाण–पत्र पाने वाली महिला अभ्यर्थी को।	**15**
या	
2. नेशनल कैडिट कोर में (बी) प्रमाण पत्र पाने वाले पुरूष अभ्यर्थी तथा जी–1 प्रमाण–पत्र पाने वाली महिला अभ्यर्थी को।	**10**
या	
3. राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत 240 घण्टे की सेवा एवं 2 या 2 से अधिक शिविरों में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों को।	**15**
या	
4. राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत 240 घण्टे की सेवा एवं 1 विशेष शिविर में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों को।	**10**
या	
5. राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत 240 घण्टे की सेवा करने वाले अभ्यर्थी को।	
या	**05**
6. स्काउट एवं गाइडस का राज्यपाल पुरस्कार प्राप्त अथवा रोवर्स/रेन्जर्स राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त अभ्यर्थी को।	
या	**10**
7. स्काउट एवं गाइड्स का राज्यपाल पुरस्कार प्राप्त अथवा रोवर्स/रेन्जर्स निपुण अभ्यर्थी को	
या	
8. स्काउट एवं गाइड्स ध्रुवपद या गुरूपद अथवा रोवर्स/रेन्जर्स तृतीय सोपान में प्रवीण प्रशिक्षण	**10**
1. स्वंतत्रता संग्राम सेनानी के पुत्र या पुत्री या अविवाहित पुत्री को 2. ऐसे अभ्यर्थी जो सक्रिय सेवारत या विसैन्यीकृत या सेवा निवृत्त प्रतिरक्षा कर्मचारी हो या ऐसे कर्मचारी से पुत्र या पुत्री के रूप में सम्बन्धित हो या ऐसे कर्मचारी जो अपंग, लापता या मृत प्रतिरक्षा कर्मचारी से उनके पुत्र, पुत्री, पत्नी के रूप में सम्बन्धित हो। 3. ऐसे अभ्यर्थी, जिनके पिता अथवा पति पुलिस या पी0ए0सी0 या बी0एस0एफ या एस0एस0बी0 या आई0टी0बी0पी0 या सी0आर0पी0एफ0 या होमगार्ड में सेवारत हो या सेवानिवृत्त, अपंग या मृत हो गये हो, का प्रमाण पत्र (वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से प्रतिहस्ताक्षरित होना चाहिए) 4. ऐसी महिला अभ्यर्थी जो विधवा, तकालशुदा या परित्यक्ता हो (ऐसे अभ्यर्थी को विधिक प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करना होगा)	15

नोटः अधिकतम अधिभार केवल 25 गुणांक ही देय होगा। प्रवेश परीक्षा में प्राप्त अंक तथा भारांक का योग किसी भी दशा में पूर्णांक से अधिक नहीं होगा।

Disclaimer

This Bulletin of Information is a compendium of inputs assembled and collated from various sources of the University and information provided by the Departments. Due care has been taken to reproduce the authentic official version of rules and regulations and other relevant informations in this Bulletin, up to the possible extent. However, it should, in no case, be construed as a warranty, express or implied, regarding completeness and accuracy of the information so far provided as a ready reference.

The University disclaims any liability towards any individual for any loss or damage caused to him/her arising out of any action taken based on the information in the Information Bulletin & Admission Prospectus. Any error, if found, in the Information Bulletin & Admission Prospectus may be due to inadvertent omissions, clerical mistakes or any other reason. The University reserves the right to modify, update or delete any part of the Bulletin without any prior notice.

Caution

In case of non-compliance of any of the requirements for admission including the non-submission of relevant documents and/or non-payment of Fee within the prescribed date and time, the candidate will lose his/her right to admission. If at any stage original documents relating to the admission of a candidate are found to be fake/non-genuine or fabricated or in any other manner defective, the said candidate will not be admitted and if already admitted, admission will be cancelled without any prior notice in this regard. If the same is found after the completion of course, his/her degree will be cancelled, and appropriate legal action will be taken against him/ her.

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय

विशेष शिविर

साइकिल यात्रा

जेएनसीयू में परियोजना निर्माण पर विशेष व्याख्यान

पूर्वांचल राज्य ब्यूरो

बलिया। जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय बलिया के समाजशास्त्र विभाग द्वारा बुधवार को परास्नातक कक्षाओं में परियोजना निर्माण की प्रविधि पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। नई शिक्षा नीति 2020 की आधारभूत संरचना के अनुसार विश्वविद्यालय के परास्नातक कक्षाओं के पाठ्यक्रम में परियोजना कार्य एक पेपर के रूप मे पढ़ाया जाता है। विशेष रूप से द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों को परियोजना कार्य के दौरान अनेक समस्याओं एवं उलझनों का सामना करना पड़ता है, इन्हीं बातों को ध्यान रखते हुए विभाग द्वारा विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में विषय विशेषज्ञ के रूप में विभागाध्यक्ष डॉ. प्रियंका सिंह ने परियोजना निर्माण के क्रमबद्ध चरणों को बताते हुए कहा कि परास्नातक कक्षाओं का परियोजना कार्य पीएचडी. की आधारशिला होती है। यह एक प्रकार का लघु शोध प्रारूप होता है, जो वृहद शोध के लिए एक दिशा प्रदान करता है। डॉ. स्मिता, सहायक आचार्य, समाजशास्त्र विभाग ने अपने व्याख्यान में विद्यार्थियों को प्राथमिक एवं द्वितीयक समंक तथा उनके स्रोतों के बारे में विस्तार से बताया और क्षेत्र आधारित परियोजना कार्य एवं द्वितीयक समंकों पर आधरित परियोजना कार्य, समग्र एवं प्रतिदर्श का निर्धारण तथा प्राप्त समंकों के विश्लेषण के तरीकों पर विस्तार से चर्चा की गयी। डॉ. अभिषेक त्रिपाठी एवं डॉ. विवेक कुमार यादव ने भी परियोजना निर्माण से संबंधित अपने विचार प्रस्तुत किये।

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय में समर्थ का दिया गया प्रशिक्षण

बलिया : जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय के सम सेमेस्टर के विद्यार्थियों का परीक्षा फार्म भरा जा रहा है। यह फार्म समर्थ पोर्टल से भरा जा रहा है। इस फार्म को भरे जाने के संबंध में कुछ महाविद्यालयों द्वारा तकनीकी समस्या महसूस की जा रही थी। इस संबंध में परीक्षा नियंत्रक/कुलसचिव एसएल पाल की पहल पर विवि सभागार में शुक्रवार को समस्त संबद्ध महाविद्यालयों को समर्थ पोर्टल द्वारा परीक्षा फार्म भरने से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान किया गया। समर्थ के नोडल अधिकारी डॉ. नीलमणि त्रिपाठी ने समर्थ पोर्टल के परीक्षा संबंधी सभी बिंदुओं और उप बिंदुओं को विस्तार से डेमो के द्वारा बतलाया साथ ही विभिन्न महाविद्यालयों के द्वारा महसूस की जा रही दिक्कतों का समाधान भी किया। समर्थ पोर्टल के तकनीकी सहायक रवि प्रकाश मिश्र एवं परीक्षा विभाग के सहायक अभिषेक पाण्डेय के साथ विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्य, कर्मचारी उपस्थित रहे।

जेएनसीयू में हुआ अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

बलिया। जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय में शनिवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर नोडल, मिशन शक्ति एवं आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में 'स्त्री सशक्तिकरणः समाज और स्त्री के लिए सशक्तिकरण के मायने' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता महिला महाविद्यालय, बीएचयू की डॉ. निधि मिश्रा ने बताया कि समाज में समानता की भावना के प्रश्रय की जरूरत है। समाजीकरण की प्रक्रिया में स्त्री- पुरुष के मध्य विभेद उत्पन्न होता है। हमें ऐसा समाज चाहिए जिसमें महिलाओं को अपनी पसंद के अनुरूप जीवनयापन का, निर्णयन में सहभागिता का अवसर मिले और पुरुष भी अपनी पीड़ा, हताशा आदि भावनाओं के इजहार में सकुचाएं नहीं। नारी को देवता के रूप में देखने से पहले एक मानवी के रूप में स्वीकारने की जरूरत है। केवल लैंगिक आधार पर ही औरत का उत्पीड़न नहीं होता बल्कि धर्म, जाति, शिक्षा, आर्थिक स्थिति आदि कारकों का भी प्रभाव पड़ता है। अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने कहा कि समाज में संवेदनशीलता को बढ़ाने की जरूरत है। नज़र और नजरिये को बदलने की जरूरत है। महिलाओंके सम्मान की आदत बचपन में घर से ही डालनी होगी। संयोजक डॉ. प्रियंका सिंह ने विषय प्रवर्तन किया। कहा कि सतत विकास लक्ष्य में लैंगिक समानता पाँचवें क्रम पर आती है। महिलाओं की समानता से ही समाज का विकास संभव है। डॉ. अजय चौबे ने कहा कि समावेशी समाज में उत्पीड़न स्वीकार्य नहीं हो सकता। इस अवसर पर मिशन शक्ति चरण 5.0 में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं तथा समन्वयकों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन नीना यादव तथा धन्यवाद ज्ञापन ज्योति शर्मा ने किया। डॉ. अनुराधा राय सह संयोजक रहीं। परिसर के प्राध्यापक के साथ कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जेएनसीयू में जनपद स्तरीय युवा संसद का आयोजन

पूर्वांचल राज्य ब्यूरो

बलिया। जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय में शनिवार को विकसित भारत युवा संसद का आयोजन किया गया। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम का आयोजन विवि के एनएसएस सेल द्वारा विवि परिसर में कराया गया। उद्घाटन सत्र की मुख्य अतिथि डॉ. सुषमा शेखर ने स्वामी विवेकानंद और उनकी शिक्षाओं को याद किया। महात्मा गांधी और चन्द्रशेखर जी के आदर्शों का जिक्र करते हुए उन्होंने समतामूलक, समदर्शी समाज के निर्माण के उनके सपने को साकार करने के लिए युवाओं का आह्वान किया। कहा कि देश का भविष्य उनके ही हाथों में है, विकसित भारत के निर्माण का माद्दा युवाओं में ही है। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने कहा कि भारत का विकास भारतीय संस्कृति और परंपरा के ताने-बाने से बुने आधार पर ही हो सकेगा। उन्होंने गांधी की किताब हिन्द स्वराज का उल्लेख किया। कहा कि भारत और भारतीयता की समझ के लिए इसका अध्ययन जरूरी है। युवाओं को अपनी संस्कृति और संस्कार की समझ होनी चाहिए। पाश्चात्य जगत की भौतिकता की आंधी से बचना होगा। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रमोद शंकर पाण्डेय, स्वागत उद्बोधन डॉ. कृष्ण कुमार सिंह, नोडल अधिकारी एवं धन्यवाद ज्ञापन वित्त अधिकारी आनंद दूबे ने किया। द्वितीय सत्र में 'एक देश, एक चुनावः विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त करना' विषय पर मऊ, देवरिया और बलिया जनपद के 70 युवाओं ने अपने विचार रखे। निर्णायक मंडल में डॉ. राजेश कुमार, नरेंद्र चौबे, कनक चक्रधर, कपिल देव राम एवं डॉ. अनिल कुमार तिवारी सम्मिलित रहे। संचालन डॉ. अभिषेक मिश्रा एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. संजीव कुमार ने किया। इस युवा संसद से 10 युवाओं का चयन किया जायेगा जो राज्यस्तरीय युवा संसद में प्रतिभाग करेंगे। राज्यस्तरीय प्रतियोगिता के प्रथम तीन विजेताओं को भारत की संसद में अपने विचार रखने का अवसर प्राप्त होगा। परिसर एवं महाविद्यालयों के प्राध्यापक, एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. लाल विजय सिंह, डॉ. राम अवतार उपाध्याय, नेहरु युवा केन्द्र के गुप्तेश्वर प्रसाद, ओमकार सिंह, विद्यार्थी आदि उपस्थित रहे।

जेएनसीयू में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई पूर्व पीएम चन्द्रशेखर की जयंती

बलिया(मान्यवरब्यूरो)। जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय,बलिया में बृहस्पतिवार को पूर्व प्रधानमंत्री चन्द्रशेखर की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। विश्वविद्यालय के कुलपति और सभी प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने चन्द्रशेखर जी को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनकी स्मृतियों को नमन किया। इस अवसर पर दो सत्रों में व्याख्यान आयोजित हुए। प्रथम सत्र में 'एक राष्ट्र एक चुनाव' विषय पर बोलते हुए मुख्य अतिथि शलभ मणि त्रिपाठी, विधायक, देवरिया ने कहा कि इस समय भारत में नव निर्माण का कार्य प्रगति पर है। बार-बार चुनाव होने से विकास की गति धीमी पड़ती है और संसाधनों का अपव्यय होता है। एक साथ चुनाव होने से धन एवं संसाधनों की बचत होगी। प्रस्तावित प्रारूप के अनुसार सौ दिनों में चुनाव की पूरी प्रक्रिया संपन्न हो जायेगी। इस प्रारूप में मध्यावधि चुनाव की भी संभावना को ध्यान में रखा गया है और आवश्यक उपाय किये गये हैं। दूसरे सत्र में भारत लोकतंत्र की शुचिता में चन्द्रशेखर जी का योगदान विषय पर हरिकेश सिंह, पूर्व कुलपति, जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छ ने अपने विचार साझा किए। कहा कि लोकतंत्र का उद्दे मानवता का कल्याण है। लोकतंत्र कभी भी विभेद पर खड़ा नही हो सकता है। लोकतंत्र अब तक ज्ञात श्रेष्ठतम शासन प्रणाली है। चंद्रशेखर जी भारतीय राजनीति के शलाका पुरुष हैं। उन्होंने अपने सिद्धान्तों से कभी भी समझौता नही किया। लोकतंत्र की शुचिता इसी में है कि संविधान के अनुसार सत्ता का संचालन हो। चन्द्रशेखर जी लोकतंत्र में आदर्श व्यवस्था और न्यायिक शुचिता के प्रणेता थे। कार्यक्रम का अध्यक्षीय वक्तव्य देते हुए कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने कहा कि चन्द्रशेखर जी का जीवन वास्तविक लोकतंत्र का साक्षात उदाहरण है। चन्द्रशेखर ने मानवता के कल्याण के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित किया। कार्यक्रम में विषय प्रवर्तन डॉ. प्रवीण नाथ यादव, स्वागत व्यक्तव्य डॉ. मनोज कुमार ने एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अशोक कुमार सिंह ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रमोद शंकर पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष जयप्रकाश साहू, कुलसचिव एस.एल.पाल, वित्त अधिकारी आनंद दूबे, डॉ.पुष्पा मिश्रा, डॉ. प्रियंका सिंह, डॉ. विनीत सिंह, डॉ.अजय चौबे, डॉ. अनुराधा राय, डॉ. सरिता पांडेय, डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, डॉ. संदीप यादव, डॉ. संजीव कुमार आदि परिसर के प्राध्यापक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जेएनसीयू को 13.35 करोड़ का अनुदान स्वीकृत

बलिया। प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम-उषा) के अंतर्गत जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय को 13 करोड़ 38 लाख का अनुदान स्वीकृत हुआ है। इस योजना का उद्देश्य उच्च शिक्षण संस्थानों को समान विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान कर उच्च शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाना है। इसके द्वारा उच्च शिक्षा में नामांकन के अनुपात को 35 फीसद तक बढ़ाना है। इस अनुदान का प्रयोग छात्रावास निर्माण, नई प्रयोगशाला के निर्माण, पुरानी प्रयोगशाला व कक्षाओं के बुनियादी ढांचे में सुधार, स्मार्ट क्लास के निर्माण आदि के लिए किया जा सकेगा। विवि के कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने कहा कि यह अतीव हर्ष का विषय है कि अनुदान प्राप्त करने वाले विश्वविद्यालयों में से जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय भी एक है। यह अनुदान नहीं, वरन विश्वविद्यालय की पहचान का एक मानबिंदु है। केन्द्र सरकार से इस अनुदान का मिलना जेएनसीयू की बढ़ती राष्ट्रीय पहचान को भी बताता है। कहा कि यह विवि अभी शैशव अवस्था में है। देश के स्थापित विश्वविद्यालयों के साथ प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान की इस महत्वाकांक्षी सूची में सम्मिलित है। इस सूची में जेएनसीयू का सम्मिलित होना विश्वविद्यालय और बलिया जनपद के लिए गर्व का विषय है। केंद्र सरकार से प्राप्त इस अनुदान के प्रयोग से स्मार्ट क्लास, प्रयोगशालाओं के निर्माण, पुस्तकालय की व्यवस्था आदि अवस्थापना सुविधाओं के विकास में बहुत मदद मिलेगी। कहा कि यह विवि अभी निर्माण की प्रक्रिया में है। यह सुखद है कि सरकार का ध्यान इसके विकास की ओर है।

मंजूरी

स्मार्ट क्लास, लैब के निर्माण लाइब्रेरी की व्यवस्था में मिलेगी मदद

जेएनसीयू में हिंदी पत्रकारिता दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन

जागरण संवाददाता, बलिया : जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय में प्रो. संजीत कुमार गुप्ता के नेतृत्व में हिंदी पत्रकारिता दिवस पर कृषि एवं ग्रामीण विकास में हिंदी पत्रकारिता का योगदान विषय पर संगोष्ठी का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में विशिष्ट वक्ता प्रोफेसर ओम प्रकाश सिंह पूर्व निदेशक एवं प्रोफेसर महामना मदन मोहन मालवीय हिंदी पत्रकारिता संस्थान महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी रहे। कुलपति प्रोफेसर संजीत कुमार गुप्ता ने कृषि और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में पत्रकारिता के बारे में बताया। संचालन विवि के पत्रकारिता विभाग के शिक्षक विनय कुमार व धन्यवाद डा. लाल विजय सिंह ने किया।

जेएनसीयू में प्रधानमन्त्री उच्चतर शिक्षा अभियान का डिजिटल लान्च कार्यक्रम का आयोजन

बलियाः 19 फरवरी। जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय के कुलसचिव एस0 एल0 पाल ने बताया कि माननीय प्रधानमन्त्री जी द्वारा दिनांक 20 फरवरी, 2024 को वीडियो कान्फ्रेन्सिंग के माध्यम से प्रधानमन्त्री उच्चतर शिक्षा अभियान (पी0एम0 उषा) के अन्तर्गत अनुमोदित परियोजनाओं का डिजिटल लान्च कार्यक्रम सुनिश्चित है। माननीय कुलपति प्रो0 संजीत कुमार गुप्ता के आदेशानुसार विश्वविद्यालय परिसर के प्रशासनिक भवन अवस्थित सभागार कक्ष में दिनांक 20 फरवरी, 2024 को पूर्वाह्न 11:00 बजे उक्त कार्यक्रम की लाइव स्ट्रीमिंग की जायेगी। इस कार्यक्रम में अति विशिष्ट अतिथि/सांसद/विधायक/प्रतिष्ठित व्यक्तियों को शामिल होने के लिये सादर निमन्त्रित किया गया है। इसके अलावा कार्यक्रम में सहभागिता हेतु विश्वविद्यालय परिसर के समस्त शिक्षको एवं छात्र/छात्राओं की उपस्थिति सुनिश्चित की गयी है।

इस दिवस को हर घर पर तिरंगा लहराना चाहिए। भारत को स्वतंत्रता के लिए लंबा संघर्ष करना पड़ा था। स्वतंत्र भारत का मार्ग कठिन एवं बाधाओं से भरा था, लेकिन बलिदानियों के बदौलत हम आज खुली हवा में सांस ले रहे हैं। इसमें बलिया के वीरों ने स्वयं को पहले आजाद कर देश को एक अलग पैगाम दिया था।

-प्रो. संजीत कुमार गुप्ता, कुलपति, जननायक चंद्रशेखर विवि, बलिया।

पूर्वांचल राज्य
सोमवार, 24 मार्च 2025 | 3

जननायक चन्द्रशेखर विश्विद्यालय में शहीद दिवस पर श्रद्धांजलि

पूर्वांचल राज्य ब्यूरो

बलिया। जननायक चन्द्रशेखर विश्विद्यालय के कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता के संरक्षण में विश्विद्यालय के मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास विभाग द्वारा शहीद दिवस पर सर्वोच्च बलिदान देकर अमर हो जाने वाले क्रांतिकारी शहीद - ए - आजम भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को श्रद्धांजलि दी गई । इस अवसर पर छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ० अजय कुमार चौबे ने क्रांतिकारियों से प्रेरणा लेते हुए राष्ट्र की प्रगति में अपना सर्वोत्तम योगदान के लिए तैयार होने हेतु नियमित कक्षाओं में उपस्थित [illegible] अध्ययन व विविध गतिविधि[illegible] में सक्रिय भागीदारी निभाने हेतु छा[illegible] प्रेरित किया । कुलानुशासक डॉ० प्रियंका सिंह ने साथियों सहित भगत सिंह के अमर बलिदान को याद दिलाते हुए छात्रों को अनुशासित रहकर राष्ट्र की प्रगति के लिए निरंतर प्रयासरत रहने को प्रेरित किया । राजनीति विज्ञान विभाग की असिस्टेंट प्रो० डॉ० अनुराधा राय ने क्रांतिकारियों से प्रेरणा लेकर अपने कर्त्तव्य के प्रति ईमानदार प्रयास करने की प्रेरणा छात्रों को दिया । राजनीति विज्ञान विभाग के ही डॉ० छविलाल ने भगत सिंह , राजगुरु , सुखदेव सहित जतिन दास के बलिदान को नमन किया । मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास विभाग की छात्रा श्वेता वर्मा ने क्रांतिकारी आन्दोलन : वैचारिकी , गतिविधियाँ और परिणाम विषय पर भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में क्रांतिकारी दौर की तथ्यों सहित गंभीर चर्चा करते हुए काकोरी ट्रेन एक्शन, लाला लाजपतराय राय पर साईमन कमीशन का विरोध करने पर हुए भीषण लाठी चार्ज और उनकी शहादत के बाद भगत सिंह, राजगुरु और चंद्रशेखर आजाद द्वारा स्कॉट समझ कर सांडर्स की गोली मारकर अंग्रेजी अत्याचार का बदला लेना, ट्रेड डिस्प्यूट बिल व पब्लिक सेफ्टी बिल के विरोध में अप्रैल 1929 में असेम्बली में बटुकेश्वर दत्त के साथ भगत सिंह द्वारा बम फेंक कर गिरफ्तारी दिया जाना और 23 मार्च 1931 को फाँसी से पूर्व अपने वकील प्राण नाथ मेहता द्वारा लाई पुस्तक रेव्ल्यूशनरी लेनिन पढ़ते हुए अंतिम संदेश पूछे जाने पर इंकलाब ज़िंदाबाद, साम्राज्यवा[illegible] मुर्दाबाद का संदेश भगत सिंह द्वारा देने की बात कही गई । छात्र शाश्वत राय ने भगत सिंह की वैचारिकी की गंभीर चर्चा करते हुए चौरी चौरा की घटना के बाद गांधी द्वारा असहयोग आंदोलन की वापसी के बाद भगत सिंह द्वारा क्रांतिकारी मार्ग का चुनाव, मै नास्तिक क्यों हूं सहित हिन्दुस्तान रिपब्लिकन आर्मी, हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन तथा उनके द्वारा 3 मार्च 1931 को अपने भाई को लिखे पत्र का भी जि[illegible] किया। लक्ष्मी गुप्ता, अनन्या सिं[illegible] गीत गाकर श्रद्धांजलि [illegible] कार्यक्रम में निदेश[illegible] पुष्पा मिश्रा स[illegible] बी.बी.ए [illegible] भागी[illegible]

कुलगीत

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, विमल शिक्षा सदन।
बलिया का आध्यात्मिक क्षितिज गंगा का पावन संगमन।1।
यह नवल नालन्दा, विमल विज्ञान-ज्ञान-कला-निलय।
है लक्ष्य जिसका-प्रेम से लौकिक विषमता का शमन ।2।
यह जाति-वर्ग-विभेद से परिमुक्त, है गुरूकुल नवल।
राष्ट्रीयता, नवबन्धुता का कर रहा पल्लवन।3।
स्नातक बनें परिपूर्ण मानव खण्ड-चिंतन हो नहीं।
बोलें, चलें, सोचें, सभी इक संग, तुल्य सदाचरण।4।
अध्यात्मरस से सींच कर सबको यथोचित ज्ञान दे।
संस्थान है यह कर रहा प्रस्थान का नूतन सृजन।5।
यह रम्य पूर्वांचल, दिशा यह दीप्त उदयादित्य की।
कर्मस्थली जिन-बुद्ध की यह लोकसंस्कृति का भवन।6।
यह मृत्तिकाचषकों में ज्ञानामृत पिलाती भूमि है।
यह लोक भी है, वेद भी है, सर्वधर्म-समन्वयन।7।
इस रम्य विद्याभूमि से ऐसी फसल तैयार हो।
जो विषमता को तोड़ समता का कराएं आचमन।8।
हो नित विजयिनी शारदा श्री चन्द्रशेखर हों अमर।
बलिया कलित हो कीर्ति से भृगु-दर्दरी का आभरन।9।

परीक्षा भवन

Help Line:
For Related Queries, contact 9453096308 during working days
between 10.00 AM to 4.00 PM

Address for Correspondence
Shaheed Smarak, Near Surha Taal, Basantpur, Ballia – 277301
Uttar Pradesh, India
Website: www.jncu.ac.in

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया

JANANAYAK CHANDRASHEKHAR UNIVERSITY, BALLIA